

Preference Shares Meaning

These are shares which are preferred over equity shares in payment of dividend, the preference shareholders are the first to get dividends if the company decides to distribute or pay dividends.

Let's study below in depth what are preference shares?

Preference shares are shares having preferential rights to claim dividends during the lifetime of the company and to claim repayment of capital on wind up. In case of preference shares, the percentage of dividend is fixed i.e. the holders get the fixed dividend before any dividend is paid to other classes of shareholders.

Preference shares are one important source of hybrid financing because it has some features of equity shares and some features of debentures. The preference shareholders enjoy preferential rights with regard to receiving dividends and getting back capital in case the company winds-up.

Features of preference shares:

Preference shares have a wide range of features as corporate emphasize a set of features while issuing them such as:

- Dividends for preference shareholders
- Preference shareholders have no right to vote in the annual general meeting of a company
- These are a long-term source of finance
- Dividend payable is generally higher than debenture interest
- Right on assets when the company is liquidated
- Par value of preference shares
- Fixed-rate of dividend irrespective of the volume of profit gained
- Preemptive right of preference shareholders
- Hybrid security of preference shares because it also bears some characteristics of debentures
- The dividend is not tax-deductible expenditure
- Shareholders also enjoy preferential right to receive dividend

Types of preference shares

There are various types of preference shares according to the clause contained in the agreement at the time of issue, some important kinds are listed below:

- **Cumulative Preference Shares:**

Shares having right of dividend even in those years in which it makes no profit are known as cumulative preference shares. In case the companies do not declare dividends for a particular year then they are treated as arrears and are carried forward to next year. When the arrears pertaining to dividend are cumulative in nature and such arrears are cleared before any dividend payment to equity shareholders then it is said to be as cumulative preference shares.

- **Non-cumulative Preference Shares:**

A non-cumulative preference share does not accumulate any dividend. In case the dividend by the company is not paid then they have the right to avail dividends from the profits earned from the particular year. Dividends are paid only from the net profit of each year. In case there is no profit accumulated for a particular year then the arrears of dividends cannot be claimed in subsequent years.

- **Participating Preference Shares:**

These shares have the right to participate in surplus profits of the company during liquidation after the company had paid to other shareholders. The preferential shareholders receive stipulated rate of dividend and also participate in the additional earnings of the company along with the equity shareholders.

- **Participating Preference Shares:**

These shares have the right to participate in surplus profits of the company during liquidation after the company had paid to other shareholders. The preferential shareholders receive stipulated rate of dividend and also participate in the additional earnings of the company along with the equity shareholders.

- **Non-participating Preference Shares:**

Preference shares having no right to participate in the surplus profits or in any surplus on liquidation of the company are referred to as non-participating preference shares. Here, preference shareholders receive only stated dividend and nothing more.

- **Convertible Preference Shares:**

These shares are those which are converted into equity shares at a specified rate on the expiry of a stated period. The shareholders have a right to convert their shares into equity shares within a specified period.

- **Non-convertible Preference Shares:**

The shares that cannot be converted to equity are referred to as non-convertible shares. These can also be redeemed.

- **Redeemable Preference Shares:**

Redeemable preference shares are referred to as shares that can be redeemed or repaid after the fixed period as issued by the company or even before that.

- **Non-Redeemable Preference Shares:**

Non redeemable preference shares are referred to as shares that cannot be redeemed during the lifetime of the company.

वरीयता शेयर अर्थ

ये वे शेयर होते हैं जो लाभांश के भुगतान में इक्विटी शेयरों से अधिक पसंद किए जाते हैं, अगर कंपनी लाभांश वितरित करने या भुगतान करने का निर्णय लेती है, तो शेयरधारकों को लाभांश प्राप्त करने के लिए सबसे पहले प्राथमिकता मिलती है।

नीचे दिए गए अध्ययन को प्राथमिकता वाले शेयर क्या कहते हैं?

वरीयता शेयर कंपनी के जीवनकाल के दौरान लाभांश का दावा करने और हवा में पूंजी के पुनर्भुगतान का दावा करने के लिए अधिमान्य अधिकार वाले शेयर हैं। वरीयता शेयरों के मामले में, लाभांश का प्रतिशत तय होता है यानी शेयरधारकों के अन्य वर्गों को किसी भी लाभांश का भुगतान करने से पहले धारकों को निर्धारित लाभांश मिलता है।

वरीयता शेयर हाइब्रिड वित्तपोषण का एक महत्वपूर्ण स्रोत हैं क्योंकि इसमें इक्विटी शेयरों की कुछ विशेषताएं और डिबेंचर की कुछ विशेषताएं हैं। वरीयता शेयरधारकों को लाभांश प्राप्त करने और कंपनी के विंड-अप के मामले में पूंजी प्राप्त करने के संबंध में अधिमान्य अधिकारों का आनंद मिलता है।

वरीयता शेयरों की विशेषताएं:

वरीयता शेयरों में कई प्रकार की सुविधाएँ होती हैं क्योंकि कॉर्पोरेट उन्हें जारी करते समय सुविधाओं के एक सेट पर जोर देते हैं जैसे:

वरीयता शेयरधारकों के लिए लाभांश

वरीयता प्राप्त शेयरधारकों को किसी कंपनी की वार्षिक आम बैठक में वोट देने का कोई अधिकार नहीं है

ये वित्त का दीर्घकालिक स्रोत हैं

देय ब्याज आम तौर पर डिबेंचर ब्याज से अधिक होता है

कंपनी के तरल होने पर संपत्ति पर अधिकार

वरीयता शेयरों का बराबर मूल्य

प्राप्त लाभ की मात्रा के बावजूद लाभांश की निश्चित दर

प्राथमिकता वाले शेयरधारकों का निवारक अधिकार

वरीयता शेयरों की संकर सुरक्षा क्योंकि यह डिबेंचर की कुछ विशेषताओं को भी सहन करता है

लाभांश कर-कटौती योग्य व्यय नहीं है

शेयरधारक लाभांश प्राप्त करने के लिए अधिमान्य अधिकार का भी आनंद लेते हैं

वरीयता शेयरों के प्रकार

मुद्दे के समय समझौते में निहित खंड के अनुसार विभिन्न प्रकार के वरीयता शेयर हैं, कुछ महत्वपूर्ण प्रकार नीचे सूचीबद्ध हैं:

संचयी वरीयता शेयर:

उन वर्षों में भी लाभांश का अधिकार रखने वाले शेयर जिनमें कोई लाभ नहीं होता है उन्हें संचयी वरीयता वाले शेयरों के रूप में जाना जाता है। यदि कंपनियां किसी विशेष वर्ष के लिए लाभांश घोषित नहीं करती हैं, तो उन्हें बकाया के रूप में माना जाता है और अगले वर्ष के लिए आगे बढ़ाया जाता है। जब लाभांश से संबंधित बकाया प्रकृति में संचयी होते हैं और इक्विटी शेयरधारकों को किसी भी लाभांश भुगतान से पहले ऐसे बकाया राशि को मंजूरी दे दी जाती है, तो इसे संचयी वरीयता शेयर कहा जाता है।

गैर-संचयी वरीयता शेयर:

एक गैर-संचयी वरीयता शेयर किसी भी लाभांश को जमा नहीं करता है। यदि कंपनी द्वारा लाभांश का भुगतान नहीं किया जाता है तो उन्हें विशेष वर्ष से अर्जित लाभ से लाभांश प्राप्त करने का अधिकार है। लाभांश का भुगतान प्रत्येक वर्ष के शुद्ध लाभ से किया जाता है। यदि किसी विशेष वर्ष के लिए कोई लाभ संचित नहीं है, तो बाद के वर्षों में लाभांश के बकाया का दावा नहीं किया जा सकता है।

भाग लेने वाले शेयर:

कंपनी के अन्य शेयरधारकों को भुगतान करने के बाद इन शेयरों को परिसमापन के दौरान कंपनी के अधिशेष मुनाफे में भाग लेने का अधिकार है। तरजीही शेयरधारकों को लाभांश की निर्धारित दर प्राप्त होती है और इक्विटी शेयरधारकों के साथ कंपनी की अतिरिक्त कमाई में भी भाग लेते हैं।

भाग लेने वाले शेयर:

कंपनी के अन्य शेयरधारकों को भुगतान करने के बाद इन शेयरों को परिसमापन के दौरान कंपनी के अधिशेष मुनाफे में भाग लेने का अधिकार है। तरजीही शेयरधारकों को लाभांश की निर्धारित दर प्राप्त होती है और इक्विटी शेयरधारकों के साथ कंपनी की अतिरिक्त कमाई में भी भाग लेते हैं।

गैर-भाग लेने वाले वरीयताएँ शेयर:

सरप्लस लाभ या कंपनी के परिसमापन पर किसी अधिशेष में भाग लेने का कोई अधिकार नहीं रखने वाले वरीयता शेयरों को गैर-भाग लेने वाले वरीयता शेयर के रूप में जाना जाता है। यहां, वरीयता वाले शेयरधारकों को केवल घोषित लाभांश प्राप्त होता है और इससे अधिक कुछ नहीं।

परिवर्तनीय वरीयता शेयर:

ये शेयर वे हैं जो किसी निर्दिष्ट अवधि की समाप्ति पर एक निर्दिष्ट दर पर इक्विटी शेयरों में परिवर्तित हो जाते हैं। शेयरधारकों को एक निश्चित अवधि के भीतर अपने शेयरों को इक्विटी शेयरों में बदलने का अधिकार है।

गैर-परिवर्तनीय वरीयता शेयर:

जिन शेयरों को इक्विटी में नहीं बदला जा सकता, उन्हें गैर-परिवर्तनीय शेयरों के रूप में जाना जाता है। इन्हें भी भुनाया जा सकता है।

सम्मानजनक वरीयता शेयर:

Redeemable प्राथमिकता वाले शेयरों को उन शेयरों के रूप में संदर्भित किया जाता है जिन्हें कंपनी द्वारा जारी किए गए या उससे पहले तय की गई अवधि के बाद भुनाया या चुकाया जा सकता है।

गैर-रिडीमेबल शेयर

गैर-प्रतिदेय प्राथमिकता वाले शेयरों को उन शेयरों के रूप में संदर्भित किया जाता है जिन्हें कंपनी के जीवनकाल के दौरान भुनाया नहीं जा सकता।

प्राधान्य समभाग अर्थ

हे समभाग आहेत जे डिव्हिडंडच्या पेमेंटमध्ये इक्विटी शेअर्सपेक्षा जास्त प्राधान्य दिले जातात, प्राधान्य भागधारकांनी कंपनीने लाभांश वितरित करण्याचा किंवा देय देण्याचा निर्णय घेतल्यास प्रथम लाभांश मिळविला जातो.

खाली प्राधान्य समभाग काय आहेत याचा सखोल अभ्यास करूया?

प्राधान्य समभाग म्हणजे शेअर्स म्हणजे कंपनीच्या हयातीत लाभांशाचा दावा करण्याचे व वारा अपच्या भांडवलाच्या परतफेडीचा दावा करण्याचा हक्क. पसंतीच्या शेअर्सच्या बाबतीत डिव्हिडंडची टक्केवारी निश्चित केली जाते अर्थात समभागधारकांच्या अन्य वर्गांना कोणताही लाभांश देण्यापूर्वी धारकांना निश्चित लाभांश मिळतो.

प्राधान्य समभाग हा संकरित वित्तपुरवठा करण्याचा एक महत्त्वाचा स्रोत आहे कारण त्यात इक्विटी शेअर्सची काही वैशिष्ट्ये आणि काही डिबेंचरची वैशिष्ट्ये आहेत. डिव्हिडंड मिळवून देण्याबाबत आणि कंपनी वळल्यास भांडवल परत मिळण्याच्या बाबतीत प्राधान्य भागधारक प्राधान्य अधिकारांचा आनंद घेतात.

प्राधान्य समभागांची वैशिष्ट्ये:

कॉर्पोरेट फीचर्सच्या सेटवर जोर देतात म्हणून प्राधान्य समभागांमध्ये विस्तृत वैशिष्ट्ये असतात जसे की:

प्राधान्य भागधारकांसाठी लाभांश

प्राधान्य भागधारकांना कंपनीच्या वार्षिक सर्वसाधारण सभेत मत देण्याचा अधिकार नाही

हे दीर्घ मुदतीचे वित्तपुरवठा स्रोत आहेत

डिव्हेंडर व्याजापेक्षा सामान्यपणे देय लाभांश जास्त असतो

जेव्हा कंपनी लिक्विड केली जाते तेव्हा मालमतांवर

पसंतीच्या समभागांचे मूल्य

मिळविलेल्या फायद्याची मात्रा विचारात न घेता लाभांश निश्चित-दर

प्राधान्य भागधारकांचा प्रीमिपिटिव्ह हक्क

प्राधान्य समभागांची संकरित सुरक्षा कारण त्यात डीबेंचरची काही वैशिष्ट्ये देखील आहेत

लाभांश कर वजा करण्यायोग्य खर्च नाही

भागधारक देखील लाभांश प्राप्त करण्याच्या प्राधान्य अधिकाराचा आनंद घेतात

प्राधान्य समभागांचे प्रकार

इशुच्या वेळी करारामध्ये असलेल्या कलमानुसार विविध प्रकारचे प्राधान्य समभाग आहेत, काही महत्त्वपूर्ण प्रकार खाली सूचीबद्ध आहेत:

संचयी पसंती समभाग:

ज्या वर्षात तो नफा मिळवत नाही अशा वर्षातही लाभांश मिळविण्याचा समभाग संचयी पसंती समभाग म्हणून ओळखला जातो. कंपन्यांनी एखाद्या विशिष्ट वर्षासाठी लाभांश जाहीर न केल्यास त्यांना थकबाकीदार म्हणून समजले जाते आणि पुढच्या वर्षी पुढे पाठविले जाते. जेव्हा डिव्हिडंडशी संबंधित थकबाकी एकत्रित स्वरूपात असते आणि इक्विटी समभागधारकांना कोणत्याही लाभांश देण्यापूर्वी अशी थकबाकी मंजूर केली जाते, तेव्हा ती संचयी पसंतीची शेअर्स असल्याचे म्हटले जाते.

नॉन-संचयी पसंती समभाग:

संचयित नसलेला पसंतीचा हिस्सा कोणताही लाभांश जमा करत नाही. जर कंपनीने लाभांश न भरला असेल तर विशिष्ट वर्षापासून मिळवलेल्या नफ्यातून त्यांना लाभांश मिळण्याचा हक्क आहे. लाभांश प्रत्येक वर्षाच्या निव्वळ नफ्यातूनच दिला जातो. जर एखाद्या विशिष्ट वर्षासाठी नफा जमा झाला नसेल तर त्यानंतरच्या वर्षांमध्ये लाभांकाच्या थकबाकीचा दावा केला जाऊ शकत नाही.

सहभागी प्राधान्य समभाग:

कंपनीने अन्य भागधारकांना पैसे दिल्यानंतर लिक्विडेशन दरम्यान या शेअर्सला कंपनीच्या अतिरिक्त नफ्यात भाग घेण्याचा अधिकार आहे. प्राधान्य भागधारकांना लाभांश निश्चित दर मिळतो आणि इक्विटी भागधारकांसह कंपनीच्या अतिरिक्त कमाईमध्ये भाग घेते.

सहभागी प्राधान्य समभाग:

कंपनीने अन्य भागधारकांना पैसे दिल्यानंतर लिक्विडेशन दरम्यान या शेअर्सला कंपनीच्या अतिरिक्त नफ्यात भाग घेण्याचा अधिकार आहे. प्राधान्य भागधारकांना लाभांश निश्चित दर मिळतो आणि इक्विटी भागधारकांसह कंपनीच्या अतिरिक्त कमाईमध्ये भाग घेते.

भाग न घेता पसंती शेअर:

अधिशेष नफ्यात किंवा कंपनीच्या लिक्विडेशनच्या कोणत्याही अधिशेषात भाग घेण्याचा कोणताही अधिकार नसलेल्या प्राधान्य समभागांना भाग न घेता पसंती भाग म्हणून संबोधले जाते. येथे, प्राधान्य भागधारकांना फक्त नमूद केलेला लाभांश आणि अधिक काहीच मिळत नाही.

परिवर्तनीय प्राधान्य समभाग:

हे शेअर्स असे आहेत जे निर्दिष्ट कालावधीच्या समाप्तीनंतर निर्दिष्ट दराने इक्विटी शेअर्समध्ये रूपांतरित होतात. भागधारकांना विशिष्ट कालावधीत त्यांचे शेअर्स इक्विटी शेअर्समध्ये रूपांतरित करण्याचा हक्क आहे.

परिवर्तनीय नसलेली पसंती शेअर:

ज्या समभागांना इक्विटीमध्ये रूपांतरित करता येणार नाही त्यांना परिवर्तनीय शेअर्स म्हणून संबोधले जाते. याची पूर्तता देखील केली जाऊ शकते.

पूर्तता करण्यायोग्य प्राधान्य समभाग:

रीडिमेबल प्राधान्य समभागांना समभाग म्हणून संबोधित केले जाते जे कंपनीद्वारे जारी केलेल्या निश्चित कालावधीनंतर किंवा त्यापूर्वीही पूर्तता केली जाऊ शकते किंवा परतफेड केली जाऊ शकते.

न वाचता येण्यासारख्या पसंतीचे समभाग:

नॉन-रीडीमेबल प्रिफरेन्स शेअर्स असे शेअर्स म्हणून संदर्भित आहेत जे कंपनीच्या हयातीत परत मिळू शकत नाहीत.